उच्च शिक्षा | देवी अहिल्या विवि ने कोर्स की संख्या बढ़ाने का फैसला लिया, पौने दो हजार शैक्षणिक संस्थानों ने तैयार किए हैं आनलाइन कोर्स

मैसिव आनलाइन ओपन कोर्स को पांच साल और चलाने की अनुमति मिली

कपिल नीले • इंदौर

विद्यार्थियों की रुचि देखते हुए शिक्षा मंत्रालय ने स्वयं पोर्टल पर चलने वाले मैसिव आनलाइन ओपन कोर्स (मूक्स) को अगले पांच साल चलाने की अनुमति दे दी है। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने भी आनलाइन कोर्स की संख्या बढ़ाने का फैसला लिया है। मूक्स संचालित करते हुए पांच साल बीत चुके हैं। पौने दो हजार शैक्षणिक संस्थानों ने आनलाइन कोर्स तैयार किए हैं। 2016 से 2021 के बीच 6945 कोर्स चलाए जा रहे हैं, जिसमें देवी अहिल्या विवि भी शामिल है। यहां स्नातक स्तर पर पाठ्यक्रम बनाए गए हैं। बीते पांच साल में करीब 50 कोर्स रखे गए हैं। 6945 कोर्स में देशभर से 2 करोड़ 47 लाख विद्यार्थियों का पंजीयन है। डीएवीवी में 55 हजार विद्यार्थियों ने आनलाइन कंटेंट का लाभ लिया है।

मूक्स का प्रोजेक्ट पांच साल का बनाया था। बीते दिनों शिक्षा मंत्रालय ने 2026 तक संचालित करने को लेकर हरी झंडी दे दी है। डीएवीवी हर साल 10-10 कोर्स स्वयं पोर्टल पर अपलोड करता है। वैसे कुछ नए कोर्स और बनाने पर काम किया जा रहा है। अगले साल से इनकी संख्या पंद्रह करने पर विचार किया जा रहा है।
-डा. चंदन गुप्ता, प्रभारी निदेशक, ईएमआरसी

2016 से 2021 के बीच 6945 कोर्स

2 करोड़ 47 लाख विद्यार्थियों का पंजीयन

8 लाख विद्यार्थियों आनलाइन कोर्स की परीक्षा

50 कोर्स संचालित कर रहा देवी अहिल्या विवि

55 हजार विद्यार्थियों ने डीएवीवी में लिया कंटेंट का लाभ

परीक्षा देने पर जुड़ते हैं क्रेडिट अंक

स्वयं पोर्टल पर अपलोड इन आनलाइन कोर्स की परीक्षा देने वाले करीब 8 लाख विद्यार्थी हैं। यूजीसी ने शर्त रखी है कि परीक्षा देने पर इन कोर्स के अंक यानी क्रेडिट को मुख्य परीक्षा में जोड़ा जाएगा। फिलहाल डीएवीवी में परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों की संख्या कम है। वे सिर्फ डिप्लोमा और सर्टीफिकेट कोर्स पूरा करने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

मंत्रालय से संचालित मूक्स के तहत विश्वविद्यालय द्वारा 2016-17 से कोर्स चलाए जा रहे हैं। धीरे-धीरे इनकी संख्या बढ़ने लगी और यूजीसी ने स्नातक में इनके क्रेडिट अंक जोड़ना शुरू कर दिए। डीएवीवी के ईएमआरसी को ये कोर्स को बनाने की जिम्मेदारी मिली है। अभी तक कान्स्ट्रैक्चुअल लॉ, साइबर लॉ, संगीत, माइक्रो इकोनॉमिक्स, फोटोग्राफी (लेवल 1), रिटेल मार्केटिंग, एडवरटाइजिंग, कंप्यूटर लर्निंग सहित 50 कोर्स हैं। ई-कंटेंट, आडियो-विजुअल और डाक्यूमेंट्री के जरिये विद्यार्थियों को पढ़ाया जा रहा है। विवि के मुताबिक जनवरी से जुलाई के बीच पांच से सात कोर्स विद्यार्थियों के लिए बनाए जाते हैं।

हिंदी में बनाया कंटेंट : आनलाइन कोर्स को मंत्रालय ने आठ क्षेत्रीय भाषाओं में तैयार करने के निर्देश दिए हैं। डीएवीवी ने हिंदी में इन कोर्स का कंटेंट बनाया है। करीब पांच कोर्स का कंटेंट अपलोड किया जा चुका है। अंग्रेजी, हिंदी के अलावा ई-कंटेंट तेलुगु, तमिल, बंगाली, गुजराती सहित अन्य दो भाषाओं में हैं।

Activate Windows